डायरी का एक पन्ना

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक दो पंक्तियों में दीजिए-

1. कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

उत्तर : 26 जनवरी 1931 के दिन अंग्रेजों से आजादी पाने के लिए दूसरा स्वतंत्रता दिवस मनाया जाना था। जिसके लिए कलकत्ता में तैयारियां जोरों पर थी। इसलिए वह दिन उनके लिए महत्वपूर्ण था।

2. सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था?

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस का भार पूर्णोदास पर था। उन्हें ही जुलूस के लिए सारा प्रबंध करना था, एवं यह सुनिश्चित करना था कि यह जानकारी सभी लोगों तक पहुंच जाए।

3. विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू के झंडा लगाने पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर : विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने जैसे ही झंडा लगाया, अंग्रेजी सरकार ने उन पर लाठियां बरसा दी एवं उन्हें पकड़ लिया।

4. लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?

उत्तर : लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा कर अंग्रेजी सरकार को यह संदेश देना चाहते थे कि अब भारतीय आजाद होने के लिए संघर्ष करेंगे और उसे पाकर ही रहेंगे।

5. पुलिस ने बड़े-बड़े पार्क और मैदानों को क्यों घेर लिया था?

उत्तर : पुलिस ने बड़े-बड़े पार्क और मैदानों को इसलिए घेर लिया था जिससे वहां पर लोग उनके खिलाफ विद्रोह के लिए सार्वजनिक सभाएं ना कर सकें एवं झंडा ना फहरा सकें।

लिखित

क). निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25- 30 शब्दों में) दीजिए-

1. 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियां की गई?

उत्तर : 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए लोगों ने अपने मकानों पर झंडे फहरा दिए। प्रचार के लिए ही 2000 रुपये खर्च किए गए। कई स्थानों पर जुलूस एवं सभाओं के आयोजन को सुनिश्चित किया गया। बड़े- बड़े नेता अपने कार्यकर्ताओं एवं अपने समर्थकों के साथ जुलूस निकालने एवं झंडारोहण करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचने लगे।

2."आज जो बात थी वह निराली थी"- किस बात से पता चलता था कि आज का दिन अपने आप में निराला है?स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आज का दिन निराला इसलिए था क्योंकि लोगों ने स्वतंत्रता दिवस मनाने की पुनरावृत्ति की थी। कोलकाता में सुभाष बाबू के कहने पर कई लोग अनेक संगठनों के माध्यम से इन जुलूस एवं झंडारोहण में भागीदारी करने के लिए उत्साहित थे। मॉनुमेंट के नीचे झंडा फहराने और स्वतंत्रता की शपथ पढ़ने का सरकार को खुला चैलेंज दिया हुआ था। सरकार इन सब को गैरकानूनी मानती थी। पूरा कोलकाता शहर झंडों से सजा हुआ था।

3. पुलिस कमिश्नर के नोटिस और काउंसिल के नोटिस में क्या अंतर था?

उत्तर : पुलिस कमिश्नर के नोटिस में साफ-साफ लिखा था कि इस तरह की सभाएं करना इस अनुच्छेद के अंतर्गत गैर कानूनी है एवं दफ्तरों में काम करने वाले लोग अगर इन सभाओं एवं जुलूसों में भाग लेंगे तो उन्हें दोषी माना जाएगा। काउंसिल के नोटिस में निकला था कि चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। इस प्रकार यह दोनों नोटिस एक दूसरे के खिलाफ थे।

4. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?

उत्तर : जब पुलिस ने सुभाष बाबू को पकड़ लिया,तो स्त्रियों ने जुलूस की अगुवाई की परंतु पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज कर दिया। जिसके कारण कुछ लोग वहीं बैठ गए और कुछ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया इसलिए जुलूस वहां पर टूट गया।

5. डॉ.दासगुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देखरेख तो कर रहे थे। उनके फोटो भी उतरवा रहे थे,उन लोगों के फोटो खींचने की क्या वजह हो सकती थी? स्पष्ट कीजिए|

उत्तर : जब हमें किसी बात को साबित करना होता है तो उसके लिए हमें प्रमाण की आवश्यकता होती है। इसलिए डॉक्टर दासगुप्ता पूरे देश को यह दिखाने के लिए कि अंग्रेज किस तरह के जुल्म कर रहे हैं। वे उन लोगों की तस्वीर खींच रहे थे जिससे अंग्रेजों का पर्दाफाश किया जा सके। दूसरा पूरे देश में ये चर्चा थी कि बंगाल में स्वतंत्रता के लिए अधिक काम नहीं हो रहा है इसे भी गलत साबित करने के लिए वह यह कर रहे थे।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) दीजिए।

1. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की बहुत भूमिका थी। स्त्री समाज ने ही खुद को संगठित कर पुलिस की लाठियां बरसाने के बावजूद भी मोन्यूमेंट पर चढ़कर तिरंगा झंडा फहराया था एवं शपथ पड़ी थी। उन्होंने भी पुरुषों के समान पुलिस की लाठी का सामना किया था एवं स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया था।

2. जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई?

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर भीड़ बेकाबू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप पुलिस ने लोगों पर डंडे बरसाए, एवं कई लोगों को घायल कर दिया। कुछ लोग नारे लगा रहे थे। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया जिसमें स्त्रियां भी शामिल थी।

निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए-

1. आज तो जो कुछ हुआ वह पूर्व में बंगाल के नाम है। कोलकाता के नाम पर कलंक था के यहां काम नहीं हो रहा, वह आज बहुत अंश में धुल गया।

उत्तर : बंगाल में हुए इस प्रदर्शन के कारण बंगाल के ऊपर लगा हुआ यह आरोप के यहां पर स्वतंत्रता के लिए कुछ नहीं हो रहा है धुल गया था। क्योंकि लोगों ने जो प्रदर्शन किया था, वह किसी क्रांति से कम नहीं था।

2. खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं कराई गई थी।

उत्तर : भारतीय दलों ने अंग्रेजी राज्य सरकार के आदेश के विपरीत जाकर वहां पर एक बहुत बड़े जुलूस का आयोजन किया एवं यह भी तय किया कि किस समय पर क्या होगा। जो कि अपने आप में बहुत ही अभूतपूर्व है।